PRESS RELEASE

LOK SABHA SPEAKER PAYS FLORAL TRIBUTES TO LOKMANYA BAL GANGADHAR TILAK/लोक सभा अध्यक्ष ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को पुष्पांजलि अर्पित की

…

New Delhi; 23 July 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla paid floral tributes at the portrait of Lokmanya Bal Gangadhar Tilak in the Central Hall of Samvidhan Sadan on the occasion of his birth anniversary, today.

https://x.com/ombirlakota/status/1947895841273840086

Leader of Opposition in the Rajya Sabha, Shri Mallikarjun Kharge; Deputy Chairman, Rajya Sabha, Shri Harivansh; Members of Parliament; former Members and other dignitaries also offered floral tributes to Lokmanya Bal Gangadhar Tilak on this occasion.

Secretary-General, Lok Sabha, Shri Utpal Kumar Singh, and Secretary-General, Rajya Sabha, Shri P.C. Modi also paid tributes to Lokmanya Bal Gangadhar Tilak.

Widely known as 'Lokmanya', Shri Bal Gangadhar Tilak was a towering nationalist, visionary leader, social reformer, and scholar. He played a pioneering role in mobilizing political consciousness among the masses during the Indian freedom struggle and was a staunch advocate of self-rule (Swaraj). His stirring call—"Swaraj is my birthright, and I shall have it!"—galvanized generations of Indians to rise against colonial rule.

The portrait of Lokmanya Tilak was unveiled in the Central Hall of Samvidhan Sadan (then Parliament House) on 28 July 1956 by the then Prime Minister Pandit Jawaharlal Nehru, in recognition of his extraordinary contributions to the nation.

Earlier in the day, Speaker Shri Om Birla paid tributes, through a message on X, recalling Tilak's immense role in India's freedom movement and his legacy of public service. Shri Birla said, "His life is an unparalleled example of patriotism, fearlessness, and ideological steadfastness."

नई दिल्ली; 23 जुलाई 2025: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के अवसर पर संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

https://x.com/ombirlakota/status/1947895841273840086

इस अवसर पर राज्य सभा में विपक्ष के नेता, श्री मल्लिकार्जुन खरगे; राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश; संसद सदस्य; पूर्व सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को पुष्पांजलि अर्पित की।

लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह और राज्य सभा के महासचिव, श्री पी.सी. मोदी ने भी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लोकमान्य के नाम से प्रसिद्ध श्री बाल गंगाधर तिलक प्रखर राष्ट्रवादी, दूरदर्शी नेता, समाज सुधारक और विद्वान थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आमजन में राजनीतिक चेतना जागृत करने में अग्रणी भूमिका निभाई। वह स्वराज के प्रबल समर्थक थे और उनके प्रेरक आह्वान—"स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूँगा!"—ने देशवासियों को औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्र के प्रति लोकमान्य तिलक के असाधारण योगदान के सम्मान में संविधान सदन (तत्कालीन संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में उनके चित्र का अनावरण 28 जुलाई 1956 को तत्कालीन प्रधान मंत्री, पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा किया गया था।

इससे पहले, लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने X पर दिए गए संदेश में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में लोकमान्य तिलक की महत्वपूर्ण भूमिका और जनसेवा की उनकी विरासत का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा, " उनका जीवन राष्ट्रभक्ति, निर्भीकता और वैचारिक दृढ़ता की अनुपम मिसाल है।"